



छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

KALYANPUR, KANPUR-208024
कल्याणपुर, कानपुर-208024

पत्रांक-सी.एस.जे.एम.वि.वि. / Acad. / 2105 / 2021

दिनांक: 20 / 07 / 2021

सेवा में,

समस्त निदेशक / विभागाध्यक्ष / प्रभारी
विश्वविद्यालय परिसर
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय,
कानपुर

विषय: विश्वविद्यालय परिसर में निर्धारित संकायों का पुनर्गठन एवं निदेशक / सहायक निदेशकों की नियुक्ति
महोदय / महोदया,

उ0प्र0 उच्च शिक्षा विभाग के शासनादेश 1267 / सत्तर-3-2021-16(26) / 2011 दिनांक: 15 जून, 2021 के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय परिसर एवं महाविद्यालयों में संकायों का पुनर्गठन प्रस्तावित हैं। इसी क्रम में विद्या परिषद एवं कार्य परिषद से अनुमोदन के उपरान्त विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों के संकाय निर्धारण एवं इन संकायों के अंतर्गत Schools of Study की स्थापना की जा रही है। विभिन्न Schools को शैक्षिक स्वायत्ता भी प्रदान किया जाना प्रस्तावित है जिससे अकादमिक सत्र समय से चलाया जा सके एवं पठन पाठन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। सभी Schools विश्वविद्यालय द्वारा इस क्रम में बनाये गये अध्यादेश से परिचालित होंगे।

आदेशानुसार विश्वविद्यालय परिसर में संचालित किये जाने वाले स्कूल में निदेशक एवं सहायक निदेशक की नियुक्ति निम्नानुसार प्रस्तावित है:

School	Departments	Director	Assistant Director
Atal Bihari Vajpayee School of Legal Studies	Department of Legal Studies	Hon'ble Vice Chancellor	Prof. A.S. Bhatnagar
School of Arts, Humanities and Social Sciences	Department of Life Long Learning and Continuing Education	Dr. Sandeep Singh	Dr. Niyati Padhi Dr. Jitendra Dobral
	Department of Social Works		
	Department of Journalism and Mass Communication		
	Deen Dayal Shodh Kendra		
School of Engineering and Technology	Department of Chemical Engineering	Dr. Brishti Mitra	Er. Ramendra Singh Niranjana Dr. Alok Kumar
	Department of Computer Science and Engineering		
	Department of Computer Application		
	Department of Electronics and Communication Engineering		
	Department of Material Sciences and Metallurgical Engineering		
	Department of Mechanical Engineering		
	Department of Fashion Technology and Interior Design		

	Department of Hotel and Tourism Management		
School of Fine Art and Performing Art	Department of Fine Arts and Painting	Dr. B. S. Katiyar	
	Department of Music		
School of Languages	Department of Higher Studies in English and Foreign Languages	Prof. Sanjay Kumar Swarnakar	Dr. Richa Verma
	Department of Hindi		
	Department of Sanskrit		
School of Business Management	Department of Business Management	Prof. Anshu Yadav	Dr. Sudesh Kumar Srivastava
	Department of Library and Information Sciences		
School of Health Sciences	Department of Health Sciences	Dr. Praveen Katiyar	Dr. Digvijay Sharma
School of Pharmaceutical Sciences	Department of Pharmaceutical Sciences	Dr. Nisha Sharma	Dr. A. Rajendiran
School of Sciences	Department of Biosciences and Biotechnology	Prof. Nand Lal	Dr. B.P. Singh Dr. Shilpa Kayastha
	Department of Life Sciences		
	Department of Chemistry		
	Department of Mathematics		
	Department of Physics		
School of Teacher Education	Department of Advanced Educational Research & Teaching of Educational Foundations	Prof. Munesh Kumar	Dr. R.P. Singh
	Department of Physical Education		Dr. Rashmi Gore

स्कूल के निदेशक एवं सहायक निदेशकों का मनोनयन एक वर्ष के लिए किया जाता है, जिसे तीन वर्ष तक कुलपति महोदय द्वारा विस्तारित किया जा सकता है। पूर्व में निर्गत निदेशक/विभागाध्यक्ष/प्रभारी से सम्बन्धित समस्त आदेश, इस आदेश की निर्गत किये जाने की तिथि से निष्प्रभावी होंगे।

निदेशक एवं सहायक निदेशक उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।


 प्रो० (अन्शू यादव)
 20/7/2024
 डीन एकेडमिक्स

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव कुलपति, माननीय कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. वैयक्तिक सहायक, वित्त अधिकारी/कुलसचिव/परीक्षा नियंत्रक।
3. डीन, प्रशासन, सी.एस.जे.एम.वि.वि. कानपुर।
4. समस्त निदेशकों एवं सहायक निदेशकों को सूचनार्थ।

प्रेषक,

कृष्ण चन्द्र राय शर्मा,
उप सचिव,
उ०प्र० शासना।

सेवा में,

कुलसचिव / वित्त अधिकारी,

- 1- महात्मा ज्योतिबाफुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।
- 2- डा० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा।
- 3- छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर।
- 4- डा० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- 5- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
- 6- महात्मा गांधी काशी विद्या पीठ, वाराणसी।
- 7- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- 8- बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी।
- 9- दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- 10- वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
- 11- ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- 12- सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर।
- 13- इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- 14- जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया।

लखनऊ: दिनांक ०१ दिसम्बर, 2017

उच्च शिक्षा अनुभाग-4

विषय- प्रदेश स्थित राज्य विश्वविद्यालयों में पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ स्थापित किये जाने हेतु वित्तीय स्वीकृति की प्रथम किस्त अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

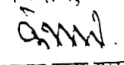
महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रदेश स्थित विश्वविद्यालयों में पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ स्थापित किये जाने के संबंध में उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावों पर सम्यक विचारोपरांत महात्मा ज्योतिबाफुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली, डा० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, डा० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ, महात्मा गांधी काशी विद्या पीठ वाराणसी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय लखनऊ, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थ नगर, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय इलाहाबाद, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ स्थापित किये जाने हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017-18 में प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए प्राविधानित धनराशि रु० 50.00 लाख अर्थात् कुल रु० 700.00 लाख के सापेक्ष प्रथम किस्त के रूप में प्रति विश्वविद्यालय रु० 25,00,000.00 (रुपये पच्चीस लाख मात्र) अर्थात् कुल रु० 350.00 लाख की धनराशि श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- विश्वविद्यालय में पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना हेतु प्राविधानित धनराशि रु० 50.00 लाख की 50 प्रतिशत धनराशि से शोध कार्यों हेतु निधि की स्थापना की जायेगी, जिससे अर्जित होने वाले ब्याज से आगामी वर्षों में पं० दीन दयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व व चिंतन के संबंध में सेमिनार/वर्कशाप/सिम्पोजियम का आयोजन किया जायेगा।

11/12/17

- 2- 10 प्रतिशत धनराशि का उपयोग शोध पीठ की स्थापना हेतु पुस्तकों के क्रय व शोध पत्रों के प्रकाशन पर किया जायेगा।
- 3- 40 प्रतिशत धनराशि विश्वविद्यालय द्वारा पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना के लिए प्राथमिकताएं निर्धारित कर आवश्यक मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं पर नियमानुसार व्यय की जायेगी।
- 2- उक्त स्वीकृति इस प्रतिबंध के अधीन होगी कि अवमुक्त की जा रही धनराशि का कोषागार से आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को यथासमय उपलब्ध कराया जायेगा। आगामी किस्त की धनराशि उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर निर्गत की जाएगी।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय, मितव्ययिता सम्बन्धी वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सुसंगत वित्तीय नियमों आदि के अनुसार किया जायेगा।
- 4- इस अनुदान के बिल पर क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी प्रतिहस्ताक्षर करेंगे।
- 5- इस अनुदान का उपयोग अनुमोदित मदों पर ही किया जायेगा। अस्थाई रूप से भी इसका कोई भाग अन्य अनानुमोदित मदों, अवकाश नकदीकरण, चिकित्सा भत्ता, सवारी भत्ता व मानदेय कार्यों के लिए तथा दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के वेतन पर व्यय नहीं किया जायेगा। उक्त धनराशि का व्यावर्तन किसी भी दशा में अनुमन्य नहीं होगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि इस धनराशि में उन्ही मदों में उतनी ही धनराशियाँ व्यय हेतु अनुमन्य होगी, जो शासनादेश संख्या-1075/70-4-99/46(21)/99 दिनांक 29 अप्रैल, 2000 की संलग्न तालिका में प्रत्येक मद हेतु अनुमन्य की गई है। इसका उल्लंघन करने पर विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 55ए के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- 6- प्रश्नगत धनराशि पी०एल०ए० में नहीं रखी जायेगी।
- 7- इस अनुदान पर वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग-01 के नियम 16ए में निहित अनुदान के नियम लागू होंगे।
- 8- इस अनुदान पर राज्य विश्वविद्यालयों को ब्लाक ग्राण्ट देने की व्यवस्था विषयक शासनादेश संख्या-1371/15(15)/95-46(55)/94 दिनांक 04 मई, 1995 द्वारा निर्धारित नियम व शर्तें लागू होंगी। तदनुसार ही विश्वविद्यालय द्वारा व्यय किये जायेंगे और व्यय के विवरण तत्काल शासन को उपलब्ध कराये जायेंगे।
- 9- इस निमित्त होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-73 के अधीन लेखा शीर्षक "2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-30- पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना- 3002-महात्मा ज्योतिबाफुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली, 3003-डा० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा, 3004-छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, 3005-डा० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, 3006-चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ, 3007-महात्मा गांधी काशी विद्या पीठ वाराणसी, 3008-सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, 3009-बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी, 3010-दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, 3011-वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, 3012-ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय लखनऊ, 3013-सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थ नगर, 3014-इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय इलाहाबाद, 3015-जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया-20 सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)" के नामे डाला जायेगा।
- 10- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या - ई-11-897/दस-2017, दिनांक 17 नवम्बर, 2017 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

 (कृष्ण चन्द्र राय शर्मा)
 उप सचिव

संख्या- ४४/2017/४०९/सत्तर-4-2017, तद् दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- प्रधान महालेखाकार (सिविल आडिट), उ०प्र० इलाहाबाद।
- 2- निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ०प्र० इलाहाबाद।
- 3- निदेशक, उच्च शिक्षा, उ०प्र० इलाहाबाद।
- 4- सम्बन्धित कोषाधिकारी।
- 5- सम्बन्धित क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी।
- 6- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-11
- 7- अनुभाग अधिकारी (लेखा), उच्च शिक्षा विभाग को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि स्वीकृत धनराशि का तत्काल आनलाइन Grid (Budget) Allotment कर उसकी हार्ड कापी उच्च शिक्षा अनुभाग-4 को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
- 8- गार्ड फाइल

आज्ञा से,
(सर्वेश कुमार सिंह)
अनु सचिव

देख,

महोदय,
 उपाय विभाग,
 उत्तर प्रदेश सरकार।

मेरा भी,

वित्त अधिकारी,
 श्री कल्याण बाबू जी महाराज कागुर विभाग,
 कागुर।

उच्च शिक्षा अनुदान-4

संख्या: दिनांक 24 नवंबर, 2001

विषय:-

विश्वविद्यालय में मंजूर दी गई उपाय विभाग की 1 केन्द्र को
 स्थापना हेतु अनुदान को स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषय पर हमें यह कर्तव्य का निर्देश हुआ है कि श्री
 कल्याण बाबू जी महाराज कागुर विभाग, कागुर में मंजूर दी गई
 उपाय विभाग की 1 केन्द्र के संयोजन हेतु आसनादेख सं-3457/70-4/2000-
 40164/2000, दिनांक 9.11.2000 द्वारा स्वीकृत निदेशानुसार के आधार
 पर श्री राज्यपाल महोदय को 1,00,00,000/- रुपये का प्रस्ताव
 की समिति को इस की राय स्वीकृत किए जाने पर सभी संबंधित प्रदान
 कर रहे हैं कि उक्त उपाय के लिए स्वीकृत उपरोक्त समिति पर
 अतिरिक्त व्यय से उपाय केन्द्र का संयोजन किया जायेगा।

उक्त स्वीकृत धरति पर वित्तीय अनुदान का अनुदान अनु-5
 भाग-1 के अनुदान-16 में निहित अनुदान के विषय कागुर है।

उपरोक्त व्यय कागुर विभाग की 2000-2001 के अनुदान-16
 अनुदान संख्या-73 विभाग विभाग-102 विभाग के अंतर्गत है।
 2202-सामान्य विभाग-03-विश्वविद्यालय तथा उपाय विभाग-102-विश्व-
 विद्यालयों को अनुदान-36-राज्य विश्वविद्यालयों को कागुर भवन निर्माण
 एवं अन्य विगत कार्य हेतु अनुदान-20-सामान्य अनुदान/अनुदान/राज्य
 समिति के माते द्वारा जायेगा।

42 आदेश विभाग के अंतर्गत सं-3457/70-4/2000-
 1039/2001, दिनांक 15.1.2001 में प्रदान उक्त समिति से जारी

विषय का संक्षेप

14/11/73 को प्राप्त
उप विषय

सं: T-2741/73-4/2001, अदालत

2 दिवसीय विज्ञापन। जो 2 वन में एवं आवासीय क्षेत्रों में
देखेंगे।

1. अदालत में/अदालत में, 3 वन, आवासीय
- ✓ 2. विज्ञापन, आवासीय विज्ञापन में, 3 वन, आवासीय
3. विज्ञापन, उच्च विज्ञापन विज्ञापन, उच्च, आवासीय
4. उच्च विज्ञापन अधिकारी, आवासीय
5. अदालत में, आवासीय
6. अदालत में-2
7. अदालत में/अदालत में

अदालत में

14/11/73 को प्राप्त
उप विषय